सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२३-२०२४

कक्षा:-पाँचवीं **विषय-हिंदी** **पाठ - १० काटने वाले प्राणी**

कठिन शब्द

१- तर्क

२- स्वागत सत्कार

३-सौम्य

४-विनम्र

५- नृपनंदन

६-चर्चा - परिचर्चा

७-कष्टदायक

८-विषैले

९-स्वामी

१०-प्राणियों

११-स्पष्ट

१२-निंदक

१३-चापलूस

१४-दुर्बल

१५-वास्तविकता

१६-उत्तेजित

१७-मृदुभाषी

१८-हितैषी

१९-विद्वत्ता

२०-बुद्धिमानी

प्र०/उ०

प्र०१-चींटी के काटने पर राजा ने सभा में क्या प्रश्न किया?

उ०-चींटी के काटने पर राजा ने सभा में यह प्रश्न किया कि ऐसा कौन- सा प्राणी है, जिसका काटना सबसे अधिक कष्टदायक होता है?

प्र०२-सभासदों की राय में काटने वाले प्राणी कौन-कौन से हैं?

उ०-सभासदों की राय में साँप , कुत्ता, बिल्ली, मक्खी, मच्छर तथा बिच्छू काटने वाले प्राणियों की श्रेणी में आते हैं ।

प्र०३-पंडित चतुरानन का काटने वाले प्राणी के बारे में क्या मत था?

उ०-पंडित चतुरानन के अनुसार दो प्रकार के प्राणी हैं जो यदि काट लें तो बहुत कष्ट होता है ।वे है - निंदक और चापलूस

प्र०४-चापलूस से कैसे बचा जा सकता है?

उ०-चापलूस को हमें अपने पास फटकने ही नहीं देना चाहिए इस प्रकार ही हम चापलूस से बच सकते हैं।

रिक्त स्थान

१-पंडित चतुरानन के मुख - मंडल पर अहंकार का कोई लक्षण दिखाई नहीं पड़ता था।

२-नाग और करैत के विष का तो मुश्किल से इलाज हो पाता है।

३-राजा नृपनंदन ने सभी के विचार ध्यान से सुने।

४-निंदक का काम दोष बताना है।

५-चापलूस विनम्र और मृदुभाषी होता है।

वाक्य प्रयोग

१-समक्ष (सामने)

हमें ईश्वर के समक्ष नतमस्तक होना चाहिए।

२-सौम्य(कांतिमान ,कोमल)

मेरी दादी अत्यंत सौम्य हैं।

३-चर्चा- परिचर्चा (बातचीत)

आज कक्षा में मोबाइल के महत्व पर चर्चा - परिचर्चा हुई।

४-दुर्बल (कमजोर)

भोजन के अभाव में वह व्यक्ति दुर्बल हो चुका है।

५-हितैषी (भलाई चाहने वाला)

माता-पिता हमारे सच्चे हितैषी होते हैं।